P-1099

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-102

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. 'वास्तु' का परिचय देते हुए वास्तुपुरुष के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. वास्तु एवं ज्योतिष के अन्त:सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

3. भूमि शोधन प्रकार एवं परीक्षण विधि का प्रतिपादन कीजिए।

4. अहिबल चक्र क्या है? स्पष्ट कीजिए।

5. आय साधन पर टिप्पणी लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. गृहनिर्माण का प्रयोजन एवं महत्त्व बतलाइए।

2. शल्योद्धार का विवेचन करें।

3. ज्योतिषशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. पंचांग से आप क्या समझते हैं?

5. काल को परिभाषित करते हुए प्रमुख काल का उल्लेख करें।

6. ग्रामवास के शुभाशुभत्व पर संक्षिप्त व्याख्या लिखिए।

7. आयादि फल विचार का वर्णन कीजिए।

8. सम्प्रति वास्तुशास्त्र की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।